एमडीआई मेगामाइंड्स की घोषणा : नेक्स्ट-जनरेशन एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप पिच इवेंट

नई दिल्ली। मैनेजमेंट डेवलेपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई) गुरुग्राम ने गत 15 जून को अपने प्रमुख स्टार्टअप पिच इवेंट एमडीआई मेगामाइंड्स के एक और पावर-पैक्ड एडीशन का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन लक्ष्य बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, कमरा नंबर 9, एमडीआई गुरुग्राम कैंपस में किया गया। एमडीआई मेगामाइंड्स ने अपने आप को ऐसे महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित कर लिया है जहां दूरदृष्टा उद्यमियों को अनुभवी निवेशकों एवं स्टार्टअप प्रशंसकों के साथ मिलने का मौका मिलता है। एनर्जी से भरपूर इस दिन ने प्रतिभागियों को नेटवर्किंग एवं वास्तविक विकास के अवसर प्रदान किए। 5 सालों के दौरान एमडीआई मेगामाइंड्स ने 150 से अधिक स्टार्टअप्स को सफलतापूर्वक प्रभावित किया है। इस आयोजन ने देश के उभरते स्टार्टअप सिस्टम में बड़े आइडियाज एवं महत्वपूर्ण कनेक्शंस के लिए लांचपैड की भूमिका निभाई है। इस साल के संस्करण का उद्देश्य महत्वाकांक्षी संस्थापकों, निवेशकों को एक मंच पर लाना है जो नई पीढ़ी के इनोवेशंस के साथ वास्तविक दुनिया की स्टार्टअप यात्रा से कुछ सीखना चाहते हैं। इस साल के एमडीआई मेगामाइंड्स में प्रतिष्ठित प्रवक्ताओं एवं जूरी सदस्यों का शानदार पैनल शामिल था जिनमें उद्यमिता एवं निवेश की दुनिया से कुछ सबसे प्रभावशाली एवं दूरदृष्टा लीडर मौजूद रहे। उपस्थितगणों को उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत करने और सीखने का मौका मिला। इन दिग्गजों में राज चेतन, जाने-माने निवेशक और स्टार्टअप मेंटरय सान्या दुग्गल, प्रतिष्ठित उद्यमी जिन्हें गेम-चेंजिंग उद्यमों के लिए जाना जाता है, संजना अग्रवाल, इनोवेशन में विचारकय अरुण मेहता, बिजनेस स्ट्रैटेजी में अग्रणीय मयंक बंसल, कई सफल उद्यमियों के पीछे मुख्य प्रेरकय मनीष वर्मा, जाने-माने बिजनेस एडवाइजर आशीष सिंगला, मैनेजमेंट में विशेषज्ञ एवं अग्रणी अकादमिकज्ञय और डॉ. परमजीत लांबा जिन्हें उद्यमिता शिक्षा में प्रभावी योगदान के लिए जाना जाता है, शामिल थे। इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर लीना अजीत कौशल, चेयरपर्सन, एमडीआई, एक्सेलक्यूब (एमएसी) ने कहा कि हमारा मानना है कि आइडियाज में भविष्य को बदलने की ताकत होती है। हमारा उद्देश्य ऐसे प्लेटफॉर्म का निर्माण करना है, जहां इनोवेटर्स, बदलावकर्ताओं एवं दूरदृष्टाओं को एक-दूसरे से जुड़ने, आपसी सहयोग से काम करने और एक-दूसरे को प्रेरित करने का मौका मिले। प्रोफेसर रुचि अग्रवाल, फैकल्टी इंचार्ज, एमडीआई एक्सेलक्यूब ने कहा कि विशेषज्ञों के साथ मेगामाइंड फायरसाईड चैट का नया सत्र पेश करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। इस साल हम एक्सेलरेशन एवं इन्क्यूबेशन सेंटर के गठन की ओर बढ़ रहे हैं।